भजन

हमारी प्यास बुझाओ,शराबी मौसम है
उसी नजर से पिलाओ,शराबी मौसम है

1- अर्श का नूर मिला है,जमीं पे आके हमें
रूहो मौज मनाओ शराबी मौसम है
2- तुम्हें भी होश रही है नशा हमें भी नहीं
आज खुद पी के पिलाओ शराबी मौसम है
3- नजर के सामने पैमाना है लबों से दूर
सितम यूं हम पे न ढाओ शराबी मौसम है
4- हदों में बैठ के पीने के आदी हम तो नहीं
आज बेहद में पिलाओ शराबी मौसम है
5- सुराही एक है फिर भी नशे का रंग जुदा
आज इक रंग में लाओ शराबी मौसम है
6- कमी तो कोई नहीं है मगर ये है बंदिश
ये जाम मिल के उठाओ शराबी मौसम है